पत्रकारों से बोले छठे राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष

राम मंदिर आस्था का आंदोलन था, अहंकार का नहीं : पवैया

जबलपुर। छटवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने यहां कहा कि राम मंदिर आस्था का आंदोलन था, अहंकार का आंदोलन नहीं। उन्होंने कहा कि भगवान अपना काम स्वयं कराते है हम तो निमित्त मात्र होते है। आयोग की बैठक के बाद सर्किट हाउस में श्री पवैया पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे।

बैठक के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए जयभान सिंह पवैया ने राम मंदिर आंदोलन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन उनके जीवन का महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। जीवन का एक बड़ा हिस्सा उन्होंने इस आंदोलन और राम मंदिर निर्माण के संकल्प को पूरा करने में लगाया।पवैया ने कहा, "किसी को भी इस बात का अहंकार नहीं होना चाहिए कि उसने कोई बड़ा काम किया है। भगवान अपना कार्य स्वयं कराते हैं और हम सब केवल निमित्त मात्र होते हैं।" उन्होंने बताया कि वे बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं और राम जन्मभूमि प्रकरण में लालकृष्ण आडवाणी, कल्याण सिंह एवं डॉ. मुरली मनोहर जोशी के साथ 13 दिनों तक जेल में बंद रहे। सीबीआई प्रकरण में सह-आरोपी रहे, जिसमें बाद में सभी बरी हुए। राम मंदिर से जुड़े मामलों पर सोशल मीडिया और यूट्यूब पर चल रही बहसों को लेकर पवैया ने कहा कि आजकल बिना पूरी जानकारी के टीका-टिप्पणी करने का दौर चल पड़ा है। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने आएगी और दूध का दूध, पानी का पानी होगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भरोसा जताते हुए कहा कि इस मामले में उचित कार्रवाई होगी।

राम मंदिर आंदोलन ने समाज को एक सूत्र में बांधा

श्री पवैया ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन ने समाज में व्याप्त जातिगत विभाजन की दीवारों को कमजोर कर पूरे सनातन समाज को एकजुट करने का काम किया। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल मंदिर निर्माण तक सीमित नहीं था, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का भी प्रतीक बना।उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग राम जन्मभूमि आंदोलन की भावना और युवाओं की आस्था को प्रभावित करने के लिए अलग-अलग नैरेटिव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी एक घटना के आधार पर 500 वर्षों के संघर्ष और बलिदानों को कटघरे में खड़ा करना उचित नहीं है। यदि कोई अपराध हुआ है तो दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, लेकिन बिना तथ्य जाने किसी पर आरोप लगाना भी उचित नहीं है। इस अवसर पर सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अजय विश्नोई, विधायक अशोक रोहाणी, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोंटिया और जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बीमारी से परेशान युवक ने की आत्महत्या की कोशिश

लोको पायलट की सतर्कता से बची जिंदगी

जबलपुर। बीमारी से टूट चुके एक युवक ने जिंदगी खत्म करने का प्रयास किया। इस बीच अमरकटंक एक्सप्रेस के लोकोपायलट की सूझबूझ और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान की तत्परता ने उसकी जान बचा ली। यह घटना बुधवार की रात 10 बजे जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-6 पर सामने आई।जानकारी के अनुसार 8 जुलाई की रात करीब 9:57 बजे अमरकंटक एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर-6 पर प्रवेश कर रही थी। इसी दौरान एक युवक अचानक ट्रैक पर पहुंच गया और ट्रेन के सामने लेट गया। ट्रेन की रफ्तार कम होने के कारण लोको पायलट ने तत्काल आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी।

इसी बीच प्लेटफार्म पर ड्यूटी कर रहे आरपीएफ आरक्षक चन्द्रेश्वर सिंह ने बिना समय गंवाए साहस दिखाया और ट्रैक पर पहुंचकर युवक को खींचकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। लाखों रुपये खर्च, फिर भी नहीं मिली बीमारी से राहत बचाए गए युवक को आरपीएफ पोस्ट लाकर पूछताछ की गई। युवक की

पहचान आजाद नगर कटरा अधारताल निवासी 30 वर्षीय मुकेश मेश्राम के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान युवक भावुक हो गया और बताया कि वह लंबे समय से टीबी की बीमारी से जूझ रहा है। इलाज में लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने से वह मानसिक रूप से परेशान था और इसी निराशा में उसने आत्मघाती कदम उठाया। आरपीएफ अधिकारियों ने युवक को समझाइश दी और परिजनों से संपर्क कर उसे सुरक्षित सौंप दिया।

एसपी के तबादला आदेश पर अमल नहीं...?

आदेश के 5 महीने बाद भी एसआई ने नहीं छोड़ा थाना

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी तबादला आदेश के बावजूद एक उपनिरीक्षक (एसआई) का पांच महीने बाद भी पुराने थाने में पदस्थ रहना सवालों के घेरे में है। पांच महीने पूर्व एसपी कार्यालय द्वारा जारी किए गए तबादला आदेश में एसआई अभिषेक कैथवास का तिलवारा थाने से स्थानांतरण कर संजीवनी नगर थाना किया गया था, लेकिन आदेश जारी होने के पांच महीने बाद भी वे तिलवारा थाने में ही कार्यरत बताए जा रहे हैं। तबादला आदेश के अनुसार अभिषेक कैथवास को तत्काल प्रभाव से नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करना था। हालांकि अब तक उनके संजीवनी नगर थाने में आमद दर्ज कराने की जानकारी सामने नहीं आई है। इसे लेकर पुलिस महकमे में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। विभागीय जानकारों का कहना है कि स्थानांतरण आदेश का समय पर पालन कर नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करना सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है। ऐसे में यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी ने अब तक नई जगह जॉइन नहीं किया है, तो इसके पीछे क्या कारण हैं, यह जिला पुलिस प्रशासन ही स्पष्ट कर सकता है।मामले को लेकर पुलिस विभाग के भीतर यह चर्चा भी है कि आखिर ऐसा कौन-सा कारण है, जिसके चलते पुलिस अधीक्षक कार्यालय के आदेश का अब तक पालन नहीं हो सका। यदि किसी प्रशासनिक कारण से अधिकारी को पुराने स्थान पर बनाए रखा गया है, तो उससे संबंधित संशोधित आदेश भी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है।

मदन महल अंडरब्रिज के नीचे इलेक्ट्रिक कार में भड़की आग

जबलपुर। मदन महल रेलवे स्टेशन के समीप स्थित अंडरब्रिज में गुरुवार को एक इलेक्ट्रिक कार में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय कार में सवार सभी लोग समय रहते बाहर निकल गए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकल टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के चलते कुछ समय तक अंडरब्रिज में यातायात भी प्रभावित रहा। आग लगने के दौरान कई तेज धमाकों की आवाज सुनाई दी, जिससे वहां से गुजर रहे वाहन चालक दहशत में आ गए और उन्होंने अपने वाहन सुरक्षित दूरी पर रोक दिए। आग इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। तकनीकी खराबी, शॉर्ट सर्किट या अन्य किसी वजह से हादसा हुआ, इसका खुलासा जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

3 घंटे चली बहस के बाद फाड़ी गई कॉपी, कुलगुरु-कुलसचिव के मतभेद भी आए सामने

रादुविवि की आपात ईसी बैठक में गोपनीय एजेंडे पर मचा बवाल

जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (आरडीयू) की आपात कार्य परिषद (ईसी) बैठक बुधवार को गोपनीय एजेंडे को लेकर विवादों में घिर गई। करीब साढ़े तीन घंटे चली बैठक में दो अहम प्रस्तावों पर सहमति नहीं बन सकी। सूत्रों के अनुसार स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि बैठक के अंत में एजेंडे की प्रतियां वापस लेकर कथित तौर पर फाड़ दी गईं। इस घटनाक्रम के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन में कुलगुरु और कुलसचिव के बीच मतभेद खुलकर सामने आने की चर्चा तेज हो गई है। बताया गया कि एकात्म भवन में दोपहर तीन बजे कुलगुरु प्रो. राजेश वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अधिकांश कार्य परिषद सदस्य मौजूद रहे, जबकि सदस्य छाया श्रीवास्तव ऑनलाइन शामिल हुईं और चंद्रशेखर पटेल सहित कुछ सदस्य अनुपस्थित रहे। परंपरा के विपरीत इस बार एजेंडे की जानकारी पहले से सदस्यों या कुलसचिव को नहीं थी। बैठक शुरू होने पर कुलगुरु ने स्वयं एजेंडे की प्रतियां सदस्यों के बीच वितरित कीं,

जिससे सभी सदस्य आश्चर्यचकित रह गए।

नियमितीकरण के प्रस्ताव पर उठे सवाल

सूत्रों के मुताबिक एजेंडे का पहला विषय हाल ही में नियमित किए गए 13 कर्मचारियों से जुड़ा था। कुलगुरु की ओर से इस मामले में नई समिति गठित करने अथवा कुलसचिव द्वारा जारी आदेश में संशोधन का प्रस्ताव रखा गया। हालांकि अधिकांश सदस्यों ने इसे प्रशासनिक विषय बताते हुए कहा कि इस संबंध में निर्णय कुलगुरु और कुलसचिव आपसी सहमति से ले सकते हैं। कुलसचिव ने भी स्पष्ट किया कि नियमितीकरण संबंधी आदेश 30 मार्च को हुई कार्य परिषद बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप ही जारी किया गया था।

टेंडर मामले में भी नहीं बनी बात.

बैठक में परीक्षा परिणाम और अंकसूची तैयार करने के कार्य से जुड़े टेंडर का मामला भी चर्चा में आया। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025 में जारी निविदा प्रक्रिया में दिल्ली की एक कंपनी सबसे कम दर पर सफल घोषित हुई थी, लेकिन उसे अब तक कार्यादेश जारी नहीं किया गया। बैठक में पुराने सेवा प्रदाता से ही फिलहाल कार्य कराने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर सदस्यों ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि नई और पुरानी फर्म की दरों में बड़ा अंतर है। ऐसे में पुरानी फर्म को काम दिए जाने पर ऑडिट आपत्तियों के साथ-साथ कार्य परिषद की भूमिका पर भी सवाल उठ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार दोनों प्रस्तावों पर सहमति नहीं बनने के बाद बैठक का माहौल तनावपूर्ण हो गया और अंततः एजेंडे की प्रतियां वापस लेकर कथित तौर पर नष्ट कर दी गईं।

राजेश मिश्रा बने भाजपा संभागीय कार्यालय मंत्री

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने संभागीय कार्यालय मंत्री नियुक्त किये है जिनमे राजेश मिश्रा को जबलपुर संभाग का संभागीय कार्यालय मंत्री नियुक्त किया गया है। राजेश मिश्रा इसके पूर्व जिला कार्यालय मंत्री रहे है। राजेश मिश्रा की नियुक्ति पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, राज्य सभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, संतोष बरकड़े श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, जिप अध्यक्ष श्रीमती आशा गोंटिया, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्वनी पराँजपे, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू, निशक्त जन प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक संदीप रजक, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी के साथ जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओ ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनायें प्रेषित की है।

पालतू कुत्ते के काटने पर मालिक को सजा

6 साल पुराने मामले में फैसला

जबलपुर। पालतू जानवर रखने वाले लोगों के लिए जिला न्यायालय का एक महत्वपूर्ण फैसला सामने आया है। करीब छह वर्ष पुराने मामले में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी कोर्ट) ने पालतू कुत्ते के हमले में लापरवाही बरतने के आरोप में उसके मालिक को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। अदालत ने कौशल्या अपार्टमेंट निवासी 60 वर्षीय गेविन डिसूजा को भारतीय न्याय संहिता की समकक्ष प्रावधानों के पूर्व लागू आईपीसी की धारा 289 के तहत दोषी मानते हुए न्यायालय उठने तक के कारावास और एक हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। हालांकि गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी से जुड़े आरोपों में उन्हें बरी कर दिया गया।

अभियोजन के अनुसार 20 अक्टूबर 2020

को सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाले सलीम रहमान अपनी मोटरसाइकिल का पंचर बनवाने जा रहे थे। उनके पीछे-पीछे चल रहे आठ वर्षीय बेटे आतुर रहमान रहीम पर आरोपी के पालतू कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया और कमर के निचले हिस्से में काट लिया। बच्चे के घायल होने पर मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। पीड़ित पिता का आरोप था कि इलाज कराने की बात कहने पर आरोपी ने जिम्मेदारी लेने के बजाय अभद्र व्यवहार किया और धमकी दी। इसके बाद सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज कराया गया था।

अदालत ने मालिक की जिम्मेदारी तय की

मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने माना कि पालतू जानवर को नियंत्रित रखने में लापरवाही बरती गई, जिसके कारण यह घटना हुई। न्यायालय के फैसले को पालतू पशु मालिकों की जिम्मेदारी तय करने वाला अहम निर्णय माना जा रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि किसी की लापरवाही से पालतू जानवर किसी अन्य व्यक्ति को नुकसान पहुंचाता है, तो उसके लिए मालिक को जवाबदेह ठहराया जा सकता है।

मथुरा-वृंदावन जायेगी ट्रेन

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना

जबलपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जबलपुर से मथुरा-वृंदावन की तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों से 11 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किये गये है। जबलपुर से मथुरा-वृंदावन की तीर्थ यात्रा के लिए 25 जुलाई को स्पेशल ट्रेन रवाना होगी। जबलपुर के तीर्थ यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेन में 196 सीटे आरक्षित की गई है। कलेक्टर कार्यालय की धर्मस्व शाखा के अनुसार तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों को आवेदन दो प्रतियो में देने होंगे। मथुरा-वृंदावन की तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों को अपने आवेदन तहसील स्तर पर तहसीलदार रांझी, गोरखपुर, अधारताल, सिहोरा, पाटन, मंझौली, कुंडम, पनागर, शहपुरा, जबलपुर तथा संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी या संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कार्यालय में जमा करना होंगे। आवेदन पत्र के साथ मूल निवासी के प्रमाण हेतु राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, विद्युत देयक, मतदाता पहचान पत्र एवं शस्त्र लायसेंस में से कोई एक अथवा ऐसा प्रमाण संलग्न करना होगा जो शासन द्वारा स्वीकार्य हो। इसके साथ ही आधार कार्ड की छायाप्रति एवं नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज के फोटो भी आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। इस योजना के अंतर्गत ऐसे व्यक्ति जो पिछले पांच वर्षों में यात्रा कर चुके हैं वे अपात्र होंगे। आवेदक को आयकर दाता न होना एवं विगत पांच वर्षों के अंदर यात्रा न किए जाने संबंधी घोषणा पत्र भी आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।

सड़क दुर्घटनाओं, फरार आरोपियों और लंबित शिकायतों पर कप्तान संपत उपाध्याय की खरी-खरी, बोले टीआई-सीएसपी खुद मैदान में उतरें, केवल जवाबों से काम नहीं चलेगा

अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस कप्तान के तेवर सख्त

जानकारी नहीं तो काहे के टीआई?

जबलपुर। पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित अपराध समीक्षा बैठक में लापरवाही और प्रकरणों की जानकारी के अभाव पर थाना प्रभारियों एवं अधिकारियों को कड़े शब्दों में फटकार लगाई। सड़क दुर्घटनाओं, फरार आरोपियों, लंबित शिकायतों और गंभीर अपराधों की समीक्षा के दौरान कप्तान उपाध्याय का सख्त संदेश साफ रहा थाने की कमान संभालने वाले अधिकारी को हर महत्वपूर्ण प्रकरण की अद्यतन जानकारी रखनी होगी और गंभीर मामलों में स्वयं नेतृत्व कर कार्रवाई करनी होगी।

बरगी-संजीवनी नगर ने झांकी बंगले

समीक्षा के दौरान बरगी और संजीवनी नगर थाना प्रभारियों से उनके क्षेत्रों में हुई सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी मांगी गई, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कप्तान उपाध्याय ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा जब मालूम नहीं तो काहे को बने टीआई? कप्तान उपाध्याय ने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं को केवल आंकड़ों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि हर घटना की विवेचना, दोषियों पर कार्रवाई, पीड़ितों की मदद और दुर्घटना रोकने के उपायों की पूरी जानकारी थाना प्रभारी के पास होनी चाहिए।

ऐसे नही होता सुपर विजन सीएसपी साहब

गोरखपुर सीएसपी महादेव नागोतिया को भी कप्तान उपध्याय ने प्रभावी सुपरविजन के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा काम करो, जानकारी रखो।

सुपरविजन ऐसे होता है। प्रकरण की जानकारी नहीं है और उसके बाद भी हां में हां मिला रहे हो, ऐसा नहीं चलेगा।

खुद चले जाओ, दिक्कत क्या है

गोसलपुर थाना क्षेत्र के एक प्रकरण में फरार आरोपी की गिरफ्तारी के संबंध में टीआई द्वारा टीम गठित करने का जवाब दिए जाने पर एसपी बिफर पड़े। उन्होंने कहा खुद क्यों नहीं जाते? खुद चले जाओ। तुम्हारे रहने या न रहने का मतलब क्या है? कप्तान उपाध्याय ने साफ किया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी जैसे गंभीर मामलों में थाना प्रभारी केवल अधीनस्थों को निर्देश देकर अपनी जिम्मेदारी से अलग नहीं हो सकते।

पाटन ने साध ली चुप्पी

पाटन टीआई को भी फरार आरोपी की गिरफ्तारी में देरी के लिए जमकर फटकार लगाई गई। कप्तान उपाध्याय ने निर्देश दिए थाना स्तर पर सीएम हेल्पलाइन, वरिष्ठ कार्यालयों, जनसुनवाई और आम नागरिकों से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के भी निर्देश दिए।

गंभीर से लेकर दस्तयाबी सुनिश्चित सब पर फोकस

बैठक में थानावार लंबित हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, झपटमारी, नकबजनी, एससी-एसटी एक्ट, महिला संबंधी अपराध एवं संपत्ति संबंधी अपराधों की विस्तृत समीक्षा की गई। कप्तान उपाध्याय ने अपहृत नाबालिग बालक-बालिकाओं की हरसंभव प्रयास कर दस्तयाबी सुनिश्चित करने और जिले के बाहर होने की जानकारी मिलने पर तत्काल टीम रवाना करने के निर्देश दिए।

महिला संबंधी अपराधों में बरतें गंभीरता

महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता बरतते हुए आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी, विवेचना पूर्ण कर चालान पेश करने के निर्देश दिए गए। गंभीर अपराध, साइबर फ्रॉड और धोखाधड़ी के मामलों में जिले से बाहर छिपे फरार आरोपी एवं वारंटियों की पतासाजी कर विशेष टीमें गठित करने को कहा गया।

तकनीक का उपयोग विवेचना की गुणवत्ता

बैठक में सीसीटीएनएस, ई-साक्ष्य, ई-विवेचना, ई-एफआईआर, ई-चालान और ई-समंस की भी समीक्षा हुई। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त टैब विवेचकों को वितरित कर डिजिटल विवेचना, डायरी लेखन, नक्शा मौका, फोटो, वीडियो और दस्तावेज अपलोड करने का प्रशिक्षण दिया गया। कप्तान उपाध्याय ने कहा कि तकनीक का उपयोग विवेचना की गुणवत्ता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रभावी ढंग से किया जाए।

यह रहे उपस्थित

बैठक में एएसपी सिटी आयुष जाखड़, एएसपी ग्रामीण अनु बेनिवाल, एएसपी क्राइम जितेन्द्र सिंह, एएसपी जोन-2 पल्लवी शुक्ला, एएसपी जोन-4 अंजना तिवारी, एएसपी मुख्यालय सूर्यकांत शर्मा, एएसपी यातायात अखिलेश तिवारी सहित सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

सड़क निर्माण का टेण्डर होने के चार माह बाद भी नहीं प्रारंभ हुआ कार्य

कांग्रेस पार्टी आज मण्डी रोड में धरना देकर करेगी चक्काजाम

सिहोरा। खितौला बाजार से कृषि उपज मण्डी होते हुए एन एच 30 को जोड़ने वाले अतयन्त उपयोगी मार्ग निर्माण की टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण होने के चार माह गुजर जाने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ न होने से आहत वार्ड पार्षद राजेश चौबे के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के द्वारा आज दोपहर 12 बजे मण्डी गेट के समीप धरना प्रदर्शन एंव चक्का जाम करेगी।

तीन साल से अधर में लटकी योजनाएं

विदित हो गत पंचवर्षीय में सरकार से मिली अनेकों विकास की सौगात के बावजूद नगर की सूरत बदलने का नाम नहीं ले रही है। नए विकास एवं निर्माण कराना तो दूर नगरीय विकास विभाग एवं शासन द्वारा पहले से स्वीकृत अनेक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट तीन साल से अधर में लटके है। नगर पालिका के रहमो-करम पर पल रहे ठेकेदारों की कार्यप्रणाली के चलते विकास की अनेक सौगात मिलने के बाद भी नगरवासियों को विकास योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा। लोगों की शिकायत है कि तीन इंजन होने के बाद भी नगर पालिका के जिम्मेदार गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। जिससे नगरवासियों को गांव से भी बदतर हालात से दो चार होना पड़ रहा है।

क्या है मामला

उप नगर खितौला के मुख्य बाजार से मण्डी होते हुए एन एच 30 को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग में गन्दे पानी की निकासी ना होने के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है जगह जगह गड्ढों में गंदा पानी भरा रहता है गंदगी एंव गड्ढों में तब्दील मार्ग के कारण स्थानीय लोग नरकीय जीवन जीने मजबूर हैं।स्थानीय लोगों की मांग एंव आंदोलन के बाद उक्त मार्ग के निर्माण की सौगात तो मिली लेकिन टेण्डर के चार माह से अधिक का समय गुजर जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरु नहीं हो सका।

बरसात में सड़क बन जाती है नाला

नगरपालिका प्रशासन नगर के विकास और जन समस्याओं के निराकरण प्रति गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। न तो परिषद की बैठकों में पारित किए गए निर्णयो पर अमल न हो रहा है और न ही पहले से मंजूर काम गति पकड़ रहे हैं ।गन्दे एंव बरसाती पानी की निकासी न होने के कारण पूरी सड़क नाला का रुप अख्तियार कर लेती है जिसके कारण नगर के एक मात्र सी बी एस ई स्कूल में अध्यनरत छात्र छात्राओं को पैदल चलने के अलावा कृषि उपज मण्डी जाने वाले वाहनों तथा रेल्वे स्टेशन से एन एच 30 तक जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सांसद साहू की पैदल यात्रा का हुआ स्वागत

सिहोरा

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से सांसद बंटी विवेक साहू की छिंदवाड़ा से मैहर पदयात्रा का सिहोरा के पहरेवा में जनपद सदस्य नीरज पांडे के नेतृत्व में अनेक लोगों ने गमछा पहनाकर सभी पैदल चलकर जा रहे भक्तों का भव्य स्वागत किया आस्था,सेवा और जनकल्याण के संकल्प से प्रेरित इस पावन पदयात्रा का अनेक स्थानों पर भी स्वागत किया गया।इस अवसर पर जनपद पंचायत सिहोरा अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री,शिशिर पांडे,रमेश तिवारी,नीलू वाजपेयी,कृष्ण गोपाल पाठक,सुंदर गुप्ता, अमन तिवारी,दीपक तिवारी,अभिषेक पांडेय, हर्ष,भोला,अंशुल अमन सेन आदि उपस्थित रहे।

भेड़ाघाट में 300 मीटर के अंदर निर्माण को लेकर ज्ञापन सौंपा

भेड़ाघाट। पंचवटी रेस्ट हाउस क्रमांक एक में भवन निर्माण को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। आदेशों की अवहेलना की जा रही हैं। रेस्ट हाउस भवन निर्माण 300 मीटर की परिधि में निर्माण को लेकर नियमों को ताक पर रख कर निर्माण कार्य किया जा रहा है नगर परिषद भेड़ाघाट सी,एम,ओ,को मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस पूर्व जिला ग्रामीण अध्यक्ष इंजीनियर चमन राय द्वारा ज्ञापन सौंपा गया और नर्मदा नदी तट से 300 मीटर की परिधि में उच्च न्यायालय के आदेश क्रमांक 10561/2019 मैं पारित आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा हैं। क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि शासकीय विभागों द्वारा नियमों का पालन नहीं किया जाता है और आम नागरिकों को नियमों का हवाला देकर पक्षपात पूर्ण कार्रवाई की जाती है और आम जनता को नियमों का पाठ पढ़ाया जाता हैं और खुद लोक निर्माण विभाग द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही हैं ज्ञापन सौंपतेसमय भेड़ाघाट के युवा नेता भी मौजूद रहे।

'सेफ-क्लिक' साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र में विद्यार्थियों को मिले सुरक्षित डिजिटल जीवन के सूत्र

सिहोरा

डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाओं को देखते हुए शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोरा के कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशंस विभाग द्वारा 'सेफ-क्लिक : साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक बनाना तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना था। सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने साइबर सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को व्यावहारिक एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन अजय सिंह बघेल ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सिहोरा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक सतीश मिश्रा उपस्थित रहे। उन्होंने वर्तमान समय में तेजी से बदलते साइबर अपराधों के स्वरूप तथा उनसे बचाव के प्रभावी उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज साइबर अपराध अनेक रूपों में सामने आ रहे हैं, इसलिए प्रत्येक इंटरनेट उपयोगकर्ता के लिए सतर्क एवं जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करने की सलाह दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य एम के श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों से ऑनलाइन आकर्षक प्रचार-प्रसार, फर्जी कॉल, भ्रामक संदेश तथा संदिग्ध ऑनलाइन खरीदारी वेबसाइटों से सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इंटरनेट का उपयोग सदैव विवेकपूर्ण और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी, फोटो और वीडियो अनावश्यक रूप से साझा करने से बचना चाहिए तथा मास्क्ड आधार का अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आयोजन समिति ने मुख्य वक्ता,उपस्थित प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कर्मचारियों को 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन देने की व्यवस्था को अवैध ठहराई

प्रोबेशन में वेतन कटौती पर हाई कोर्ट की रोक 100 प्रतिशत सैलरी व एरियर देने के निर्देश

जबलपुर । मप्र हाईकोर्ट ने प्रोबेशन अवधि में कर्मचारियों को 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन देने की व्यवस्था को अवैध ठहराया। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि नियमित चयन प्रक्रिया से नियुक्त प्रोबेशनर भी पद के न्यूनतम वेतनमान के अनुसार 100 प्रतिशत वेतन पाने का हकदार है।जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने याचिका स्वीकार करते हुए पांच अक्टूबर, 2023 के नियुक्ति आदेश की शर्त क्रमांक-तीन निरस्त कर दी।

याचिकाकर्ता दमोह निवासी अपेक्षा पाठक की ओर से अधिवक्ता वैभव प्रवीण पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि विवादित शर्त सामान्य प्रशासन विभाग के 12 दिसंबर, 2019 के परिपत्र पर आधारित है, जिसे इंदौर खंडपीठ दिल्लीराज भीलाला और विनीता तिवारी प्रकरणों में पहले ही विधि विरुद्ध ठहरा चुकी है। उन्होंने दलील दी कि समान कार्य करने वाले प्रोबेशनरों को कम वेतन देना संविधान के समान कार्य के लिए समान वेतन' सिद्धांत का उल्लंघन है।

राज्य शासन ने परिपत्र के आधार पर आदेश का बचाव किया, लेकिन अदालत ने कहा कि इस मुद्दे का विधिक निस्तारण पहले ही हो चुका है और प्रोबेशनरों को कम वेतन देने का कोई तार्किक औचित्य नहीं है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को प्रोबेशन अवधि का 100 प्रतिशत वेतन, समस्त परिणामी लाभ व एरियर की गणना कर प्रमाणित प्रति प्रस्तुत होने के 90 दिनों के भीतर भुगतान करने के

रोटरी चिकित्सा शिविर बारहा हिनोतिया में 11 जुलाई को

बरेला। पीड़ित मानवता की सेवा का संकल्प लेकर रोटरी क्लब जबलपुर द्वारा 11जुलाई दिन शनिवार को सुबह 10बजे से ज्ञानदीप नर्सिंग कॉलेज हिनोतिया बारहा में विशाल निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया है। संयोजक अनिल मिश्रा ने बताया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता, राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा जी होंगे।

शिविर में डाक्टर छत्रसाल सिंघई, डाक्टर राजेश धीरावानी, डाक्टर राहुल शुक्ला, ज्ञानदीप डाक्टर टीम सहित जबलपुर के जाने-माने डाक्टर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उपरोक्त आयोजन को सफल बनाने आज दिनांक 9जुलाई को वरिष्ठ कांग्रेस नेता सम्मति सैनी, वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द तिवारी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रामजी रैकवार, कोषाध्यक्ष नरेश पटेल, जिला सचिव विजय जैन, जनसेवक विपिन झारिया, मंडलम अध्यक्ष शेख सलीम,हाजी जहीर खान, कपिल पटेल, दिनेश सोनी,अभिषेक गौर, सुनील सोनकर, मनीष परस्ते, प्रकाश पाठक, कृष्ण कुमार पटेल माधव, शर्मा, भगवान दास वंशकार,मदन, राजेश वंशकार ने बरेला, हिनोतिया भोई में जन सम्पर्क कर शिविर की जानकारी दी और पंजीयन कराया। शिविर मैं आने जाने हेतु निशुल्क बस सेवा उपलब्ध है ।

चेक केवल कागज का टुकड़ा नहीं बल्कि वित्तीय विश्वास का दस्तावेज

अदालत का चेक बाउंस मामले में सख्त संदेश, 80 हजार की राशि पर 1.44 लाख चुकाने का निर्देश

जबलपुर। उधार ली गई रकम लौटाने के लिए दिया गया चेक बाउंस करना आखिरकार महंगा पड़ गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वंदना सोनी की अदालत ने परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत आरोपी अर्पण सिंह को दोषी ठहराते हुए तीन माह के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़ित जबलपुर निवासी नीरज मिश्रा को मूल राशि 80 हजार रुपये, लगभग नौ वर्षों का नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज जोड़कर कुल एक लाख, 44 हजार 200 रुपये व दो हजार रुपये वाद व्यय अदा करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि चेक केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि वित्तीय विश्वास का दस्तावेज है। आरोपित ने विवाह खर्च के लिए उधार ली गई राशि के भुगतान हेतु 80 हजार रुपये का चेक जारी किया था, जो बैंक से अपर्याप्त राशि और हस्ताक्षर भिन्न होने के कारण अनादृत हो गया। कानूनी नोटिस के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। अदालत ने माना कि आरोपित अपने बचाव में कोई विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका, जबकि शिकायतकर्ता ने सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किया। निर्णय में यह भी रेखांकित किया गया कि हस्ताक्षर अलग होने के आधार पर चेक लौटना भी धारा 138 के दायरे से बाहर नहीं है। यह फैसला उपभोक्ताओं और आम लेनदारों के हित में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे यह स्पष्ट संदेश गया है कि चेक जारी कर भुगतान से बच

एसीएस मनीष रस्तोगी सहित तीन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ जमानती वारंट

आदेश की अनदेखी पर हाईकोर्ट सख्त

जबलपुर। आदेशों की लगातार अनदेखी और सुनवाई से नदारद रहने वाले आला अफसरों पर मप्र हाईकोर्ट ने शिकंजा कसा है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने अदालत की अवमानना को गंभीरता से लेते हुए एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (एसीएस) मनीष रस्तोगी, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव एम. सेलवेन्द्रम और कृषि विभाग के संचालक अजय गुप्ता के खिलाफ 25-25 हजार रुपये के जमानती वारंट जारी करने के आदेश दिए हैं। ये वारंट संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक के माध्यम से तामील कराए जाएंगे। मामला कृषि विभाग जबलपुर के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर देवदत्त विश्वकर्मा की सेवानिवृत्ति से जुड़ा है। 30 जून 2023 को रिटायर होने के बाद विभाग ने उनसे 2 लाख 10 हजार रुपये की वसूली कर ली थी। इसके खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने 8 मई 2024 को आदेश दिया था कि वसूली गई पूरी राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित वापस की जाए। स्पष्ट आदेश के बावजूद जब राशि नहीं लौटाई गई, तो पीड़ित को अवमानना याचिका दायर करनी पड़ी। सुनवाई के दौरान न केवल बड़े अफसर बल्कि कृषि विस्तार अधिकारी एस.के. निगम और संभागीय पेंशन अधिकारी नमिता भी नदारद थीं। इस पर नाराज बेंच ने सरकारी वकील को निर्देश देकर दोनों अधिकारियों को तत्काल फोन करवाकर कोर्ट बुलवाया और देरी से आने पर स्पष्टीकरण मांगा। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी में कहा कि अदालत के आदेशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती।कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 15 जुलाई की तारीख तय की है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि सभी संबंधित अधिकारी अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होंगे और आदेश के पूर्ण अनुपालन की रिपोर्ट पेश करेंगे।

स्थानांतरण आदेश पर हाई कोर्ट की अंतरिम राहत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने स्थानांतरण आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए वन विभाग कर्मी को अंतरिम राहत प्रदान की है। जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने सक्षम प्राधिकारी को निर्देश दिए हैं कि याचिकाकर्ता के लंबित अभ्यावेदन का कानून के अनुसार कारणयुक्त आदेश पारित कर 30 दिनों के भीतर निराकरण किया जाए। याचिकाकर्ता शहडोल निवासी मयंक अग्निहोत्री की ओर से अधिवक्ता सुशील कुमार तिवारी व शांतनु तिवारी ने पक्ष रखते हुए कहा कि 15 जून, 2026 के स्थानांतरण आदेश के विरुद्ध प्रस्तुत अभ्यावेदन अब तक लंबित है। इसलिए उसके निराकरण तक राहत दी जाए। वहीं, राज्य शासन की ओर से उप महाधिवक्ता श्वेता यादव ने इस प्रार्थना पर कोई आपत्ति नहीं जताई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने निर्देश दिया कि सक्षम प्राधिकारी अभ्यावेदन पर विधि के अनुरूप निर्णय लेकर उसकी सूचना याचिकाकर्ता को दे। साथ ही स्पष्ट किया कि 15 जून, 2026 के स्थानांतरण आदेश का प्रभाव और संचालन 30 दिन अथवा अभ्यावेदन के निराकरण तक, जो पहले हो, स्थगित रहेगा।

श्रीमती शकुन विश्वकर्मा- महेशपुर मदनमहल निवासी श्री करन लाल विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन विश्वकर्मा (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती विमला सिंह ठाकुर- गोरा बाजार केंट निवासी श्री प्रयाग सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती विमला सिंह ठाकुर (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुनील यादव- श्याम कुंज ओमती निवासी श्री सुनील यादव (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कृष्णा अय्यर- जानकी नगर उखरी रोड निवासी श्री कृष्णा अय्यर की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा अय्यर (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री डोरी लाल मार्वे- प्रेमसागर हरिजन क्वाटर्स निवासी श्री डोरी लाल मार्वे (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री राम सिंह कौशिक- पंजाब बैंक कॉलोनी चेरीताल निवासी श्री राम सिंह कौशिक (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दीपक सोनकर- खटीक मोहल्ला घमापुर निवासी श्री दीपक सोनकर (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री वीरचंद लोधी- रानीपुर गोरैया प्लाट आमनपुर मदनमहल निवासी श्री वीरचंद लोधी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अनीता- ब्यौहारबाग घोड़ा अस्पताल के पास निवासी श्री ईश्वर डुमार की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती पद्मा पिल्लई- मोहनी होम्स नर्मदा नगर बिलहरी निवासी श्री राजेंद्र प्रसाद पिल्लई की धर्मपत्नी श्रीमती पद्मा पिल्लई (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती श्याम बाई चक्रवर्ती- भानतलैया विद्यापीठ स्कूल के पास निवासी श्री सेवक चक्रवर्ती की धर्मपत्नी श्रीमती श्याम बाई चक्रवर्ती (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री विमल चंद्र कोचर- गली नं. 6, सदर सेठ मोहल्ला निवासी श्री विमल चंद्र कोचर (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि बिजी/शोक/उद्घाटन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति कलम से.मी.
बिजिस साइज:- 1cm से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
बिजिस साइज:- 1cm से.मी. रंगीन 400/-
बिजिस साइज 1cm से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

बड़ेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में हुआ 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान कार्यक्रम

जबलपुर। बड़ेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जबलपुर में जबलपुर पुलिस प्रशासन द्वारा संचालित 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर जागरूकता अभियान का सफलतापूर्वक समापन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को बढ़ते साइबर अपराधों, ऑनलाइन धोखाधड़ी तथा डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यक्रम के दौरान जबलपुर पुलिस प्रशासन के अधिकारियों एवं साइबर सेल के विशेषज्ञ श्री नीरज नेगी ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूप, ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के उपाय, सोशल मीडिया सुरक्षा, डिजिटल भुगतान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा साइबर अपराध होने पर अपनाई जाने वाली कानूनी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस जागरूकता अभियान में लगभग 500 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्राप्त की तथा विशेषज्ञों से अपने प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किए। समापन समारोह में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनु बेनीवाल जी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना तिवारी, सीएसपी अंजुल आयांक मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में माढ़ोताल थाना प्रभारी, महिला थाना प्रभारी, अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, जबलपुर मीडिया प्रतिनिधिगण तथा बड़ेरिया ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सौरभ बड़ेरिया, डायरेक्टर डॉ. राजीव खत्री, डिप्टी डायरेक्टर डॉ. निहारिका यादव एवं रजिस्ट्रार डॉ. पूर्णानंद दुबे सहित संस्थान के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर जागरूकता प्रत्येक नागरिक की आवश्यकता है तथा सतर्कता और सही जानकारी ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। साथ ही विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी या संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन एवं पुलिस प्रशासन से संपर्क करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के अंत में संस्थान की ओर से सभी विशिष्ट अतिथियों, पुलिस प्रशासन, साइबर सेल के विशेषज्ञों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं अभियान के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। यह अभियान विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं सुरक्षित डिजिटल भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

इंडस्ट्रियल बेल्ट में धार औद्योगिक विकास का ग्रोथ इंजन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

पीथमपुर में लियुगोंग इंडिया प्रा. लिमिटेड की यूनिट का भूमिपूजन

प्रदेश के लिए 8 जुलाई का दिन बेहद खास रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में लियुगोंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की 272 करोड़ की नई यूनिट का भूमिपूजन किया।

उन्होंने कहा कि राजा भोज के इस परिक्षेत्र में अहम उद्योग स्थापित होने जा रहा है। हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि इंडस्ट्रियल बेल्ट में धार औद्योगिक विकास का ग्रोथ इंजन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धार की भुजाएं मजबूत हुईं। बीते 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी ने 6 लाख से ज्यादा किसानों के लिए वस्त्र उद्योग का बहुत बड़ा पार्क यहां लोकार्पित किया था।

272 करोड़ की यूनिट की दी सौगात, बदल जाएगी मप्र की सूरत

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

जितनी कृपा मां सरस्वती की, उतना ही आशीर्वाद मां लक्ष्मी का

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा भोज पर जितनी कृपा मां सरस्वती की थी, उतना ही आशीर्वाद मां लक्ष्मी ने उन्हें दिया था। राजा भोज के कार्यों से मालवा के साथ-साथ पूरा देश गौरवांवित होता है। आज 272 करोड़ की नई यूनिट का लोकार्पण हुआ है। यह इकाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड' के संकल्प को पूरा करने के लिए रफ्तार से चलेगी। मैं लियुगोंग ग्रुप को बधाई देता हूं, जिनकी वजह से विकास का नया अध्याय लिखा जाएगा।

छह माह में प्राप्त हुए 76 हजार करोड़ से अधिक के प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश पूरी क्षमता के साथ तेज गति से बढ़ रहा है। यही वजह है कि पिछले 6 महीने में यानी 1 जनवरी से 30 जून तक 76 हजार 862 करोड़ रुपए से अधिक के नए निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इससे 82 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। अकेले नर्मदापुरम को 11 हजार 500 करोड़ के प्रस्ताव मिले। 10 हजार करोड़ से ज्यादा का विदेशी निवेश मध्यप्रदेश को मिला है। ये उन लोगों को जवाब है जो जीआईएस पर सवाल उठा रहे थे और कह रहे थे कि अलग-अलग दौरे करने से क्या मिला।

हमारी सरकार जो कहती है, वह कर के दिखाती है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर में बीते दस दिन की बात करूं तो आज यहां यानी 8 जुलाई को 272 करोड़ के भव्य प्लांट का उद्घाटन हुआ है। 6 जुलाई को सतगढ़ी में 150 करोड़ की लागत से बनने वाले 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क' का भूमिपूजन किया गया। 5 जुलाई को शिवपुरी में 2500 करोड़ की लागत से 'अडाणी डिफेंस यूनिट' का भूमिपूजन हुआ। 30 जून को बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में पेप्सिको की अत्याधुनिक 1250 करोड़ की विनिर्माण इकाई का शुभारंभ हुआ। किसान की आय दोगुनी करने के लिए यह कदम अहम है। 29 जून को नीमच में 1 हजार 554 करोड़ की लागत से 38 नई औद्योगिक इकाइयों की सौगात देकर हमारी सरकार ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार केवल घोषणाएं करने वाली सरकार नहीं है, यह काम को धरातल पर उतारने वाली सरकार है।

मेक इन इंडिया पर फोकस: गोवेन

लियूगोंग इंडिया के ग्लोबल वाइस चेयरमैन ल्यू गोवेन ने कहा कि हमारे लिए यह बड़ा ही सौभाग्यशाली दिन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीथमपुर में लियुगोंग इंडिया लिमिटेड के नए विनिर्माण संयंत्र की नींव रखी है। कंपनी का नया प्लांट स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। साथ ही प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था को भी गति देगा। साथ ही रिसर्च और मशीनरी निर्माण का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। लियूगोंग इंडिया के वरुण विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास की धारा तेज गति से आगे बढ़ रही है।

अपना दल (एस) ने पेश किया 100 दिन का रोडमैप

भोपाल। अपना दल (एस) मप्र ने संगठन विस्तार एवं सदस्यता अभियान को गति देने एक वर्चुअल बैठक का आयोजन किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव एवं मप्र प्रदेश प्रभारी आर बी सिंह पटेल रहे, जहां रणनीतिकार डॉ अतुल मलिकराम ने एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से आगामी 100 दिनों का रोडमैप साझा किया। बैठक के दौरान आगामी 19 जुलाई को भोपाल में एक विशेष बैठक की घोषणा भी की गई, जिसमें सभी जिलाध्यक्षों को अपने अब तक के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। इस वर्चुअल कार्यक्रम में प्रदेशभर के सैकड़ों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान वरिष्ठ नेता देवेंद्र प्रताप सिंह ने भी संगठन विस्तार को लेकर अपने मूल मंत्र साझा किए। कार्यक्रम में प्रदेश भर के प्रमुख कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें राजेश्वर मिश्रा, एस आर नागले, मोहित गुप्ता, कैलाश गावंडे, सीता सरण सिंह, डीपी पटेल, आर के सनोडिया, रौशन पटेल और फिल्म अभिनेता गौरव प्रतीक आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

- 19 जुलाई को भोपाल में होगी अगली अहम बैठक

सरदार सरोवर परियोजना पर हुए ऐतिहासिक समझौते से सहकारी संघवाद होगा सुदृढ़: सीएम

भारत के अटॉर्नी जनरल ने 1500 करोड़ रुपए की देनदारी बताई थी, अब देना होगा महज 231 करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल सुरक्षा को सुदृढ़ करने और सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की उपस्थिति में हुई बैठक में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच सरदार सरोवर परियोजना से जुड़े लगभग तीन दशक से जारी पुनर्वास एवं पुनर्बसाहट व्यय विवाद का सर्वसम्मति से समाधान हुआ है।

- अब प्रदेश को करना होगा केवल 231.80 करोड़ रुपए का भुगतान

इस निर्णय से मप्र पर पड़ने वाले वित्तीय भार में उल्लेखनीय कमी आएगी। यह निर्णय राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, संवाद और सहमति से जटिल विषयों के समाधान का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री शाह के प्रति आभार व्यक्त किया।

मप्र की हिस्सेदारी घटा कर 16.17 प्रतिशत की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भारत के अटॉर्नी जनरल की ओर से फरवरी 2026 में दिए गए अभिमत के अनुसार पुनर्वास व्यय में मप्र की हिस्सेदारी 31.98 प्रतिशत निर्धारित की गई थी। इसके अनुसार मप्र को लगभग 1,500 करोड़ रुपए का भुगतान गुजरात को करना पड़ता। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मप्र, गुजरात, महाराष्ट्र एवं राजस्थान के बीच हुई बैठक में सर्वसम्मति से मप्र की हिस्सेदारी घटाकर 16.17 प्रतिशत निर्धारित की गई। इसके परिणामस्वरूप अब मध्यप्रदेश को केवल 231.80 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा।

मध्यप्रदेश के हितों की अनदेखी करते हुए समझौते को स्वीकार कर लिया: अजय

मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर सरदार सरोवर परियोजना के मुआवजे के मामले में प्रदेश के हितों से समझौता करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने केंद्र और गुजरात सरकार के दबाव में प्रदेश का पक्ष मजबूती से नहीं रखा और मध्यप्रदेश के हितों की अनदेखी करते हुए समझौते को स्वीकार कर लिया।

कांग्रेस पार्टी का झूठ बेनकाब, नेता प्रतिपक्ष सिंघार का दुष्प्रचार ध्वस्त : आशीष

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस का झूठ बेनकाब, उमंग सिंघार का दुष्प्रचार ध्वस्त। सरदार सरोवर परियोजना को लेकर कांग्रेस जनता को भ्रमित कर रही है, जबकि सच्चाई बिल्कुल अलग है। मध्यप्रदेश की देनदारी घटकर मात्र 231.80 करोड़ रह गई। यानी मध्यप्रदेश के लगभग 1,268 करोड़ बचाए और 30 वर्षों पुराना विवाद समाप्त हो गया।

कांग्रेस पार्टी मध्य प्रदेश की जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही: राहुल

भाजपा के प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी ने कहा कि कांग्रेस एक बार फिर मप्र की जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। सच्चाई यह है कि सरदार सरोवर परियोजना से जुड़ा यह विवाद लगभग 30 वर्षों से लंबित था। कांग्रेस की सरकारें रहीं, लेकिन समाधान नहीं निकला। अब मप्र सरकार ने मप्र के हजारों करोड़ रुपए बचाए और तीन दशक पुराना विवाद समाप्त हुआ।

परियोजना से प्रदेश को उत्पादित विद्युत का मिल रहा है 57 प्रतिशत हिस्सा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा एवं सरदार सरोवर परियोजना से प्रदेश को उत्पादित कुल विद्युत का 57 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि अब तक मध्यप्रदेश को लगभग 3,900 करोड़ यूनिट विद्युत औसतन 85 पैसे प्रति यूनिट की दर से उपलब्ध हुई है। लगभग 31 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई सुविधा मिल रही है। साथ ही जबलपुर, कटनी, देवास, उज्जैन, इंदौर, धार सहित अनेक शहरों और पीथमपुर, देवास एवं विक्रम उद्योगपुरी जैसे औद्योगिक क्षेत्रों को नर्मदा जल की आपूर्ति भी इसी परियोजना से की जा रही है।

चारों राज्यों की हिस्सेदारी तय

गुजरात की हिस्सेदारी 50.57 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत की गई है। महाराष्ट्र की हिस्सेदारी 15.15 प्रतिशत से घटाकर 7.66 प्रतिशत और राजस्थान की हिस्सेदारी 2.31 प्रतिशत से घटाकर 1.17 प्रतिशत निर्धारित की गई है। इससे गुजरात को सहभागी राज्यों से कुल 553.43 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे।

'विनियमन-मुक्ति एवं सुविधा' विधेयक के प्रारूप को मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में निवेश और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (विनियमन-मुक्ति एवं सुविधा) विधेयक 2026 के प्रारूप को मंजूरी दी गई है।

इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य व्यापार और उद्योग स्थापित करने की प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। सरकार का दावा है कि छत्तीसगढ़ ऐसा विधेयक लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा। यह कानून प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी, डिजिटल और समयबद्ध बनाएगा। नए कानून के लागू होने से निवेशकों को सरकारी प्रक्रियाओं में होने वाली अनावश्यक देरी और जटिलताओं से राहत मिलेगी। इससे राज्य में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। साथ ही, बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

कई महत्वपूर्ण विधेयक शामिल

इस विधेयक में कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं। इनमें डीम्ड परमिशन, स्व-प्रमाणीकरण और तृतीय-पक्ष सत्यापन प्रमुख हैं। जोखिम-आधारित निरीक्षण की व्यवस्था भी इसमें शामिल है। दोहरे लाइसेंसिंग दायित्वों को समाप्त करने का प्रावधान भी किया गया है। इन सुधारों से निवेशकों के लिए कारोबारी माहौल अधिक अनुकूल बनेगा।

राज्य शासन ने जारी की आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची

डॉ. देवांगन का तबादला, 2015 बैच के आईएएस विजय दयाराम होंगे कलेक्टर

▶▶ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

राज्य शासन ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के तबादला आदेश जारी करते हुए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले के कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन का तबादला कर दिया है। शासन के आदेश के अनुसार वर्ष 2015 बैच के आईएएस अधिकारी विजय दयाराम को जीपीएम जिले का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। विजय दयाराम का जीपीएम जिले से पुराना जुड़ाव रहा है। वे वर्ष 2018 में पेंड्रारोड में अतिरिक्त कलेक्टर (एडीएम) के रूप में पदस्थापना हुई थी। उस दौरान उन्होंने राजस्व प्रशासन, कानून-व्यवस्था, निर्वाचन, आपदा प्रबंधन तथा विभिन्न विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जिले की भौगोलिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिस्थितियों से उनकी अच्छी जानकारी होने के कारण उनकी नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आदेश होते ही चर्चाओं का दौर शुरू

राज्य शासन द्वारा जारी प्रशासनिक फेरबदल के आदेश के बाद जिले में नए कलेक्टर की नियुक्ति को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी नए कलेक्टर से विकास कार्यों में तेजी और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण की उम्मीद है।

सरगांव थाना क्षेत्र की घटना, घायल रेफर

आमने-सामने से टकराईं दो बाइक भतीजा मृत और चाचा घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर चांपा

जिले के ग्राम चोरिया में दो बाइक में आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हुई है। हादसे में बाइक सवार चाचा-भतीजे को गंभीर चोट आई, जिसमें 17 वर्षीय भतीजे मनोज धनवार की मौत हुई है।

वहीं रमेश लाल धनवार गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका जिला अस्पताल जांजगीर में प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर किया गया है। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना सरगांव थाना क्षेत्र की है। घायल रमेश लाल धनवार ने बताया कि वह अपने पारिवारिक भतीजे मनोज धनवार के साथ बाइक से बम्हनीडीह रिश्तेदार के यहां घूमने गए थे, जिसके बाद वापस अपने गांव चोरिया जा रहे थे इस बीच गांव के गेट के पास ही सामने से आ रही बाइक से टक्कर हुई है। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए चांपा के बीडीएम अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टर ने जांच उपरांत मृतक घोषित किया है।

आईसी मार्ट पर परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप, पुलिस ने मार्ट किया सील

चोरी के आरोप से दुखी नाबालिग छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस कर रही जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरिया

कोरिया जिले के बैकुंठपुर में एक 17 वर्षीय छात्रा की आत्महत्या का मामला सामने आने के बाद पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। घटना के बाद परिजनों ने आईसी मार्ट प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने संबंधित मार्ट को सील कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, छात्रा अपनी बड़ी बहन के साथ आईसी मार्ट में खरीदारी करने गई थी।

परिजनों का आरोप है कि दोनों पर चोरी का आरोप लगाकर काफी देर तक रोका गया। उनसे सामान की सूची बनवाई गई और छात्रा से लिखित रूप में यह स्वीकार भी कराया गया कि उसने और उसकी बहन ने दुकान से चोरी की है।

झूठे आरोप लगाकर प्रताड़ित करने का आरोप

मृतका के पिता, जो पुलिस विभाग में कार्यरत हैं, का कहना है कि जब वे मार्ट पहुंचे तो उनसे पहले 20 हजार और बाद में 50 हजार रुपये देने की मांग की गई। उनका यह भी आरोप है कि छात्रा की स्कूटी भी मार्ट प्रबंधन ने अपने कब्जे में रख ली और पैसे दिए बिना लौटाने से इनकार कर दिया। परिवार का कहना है कि इस घटना के बाद छात्रा गहरे मानसिक तनाव में चली गई थी। बुधवार 8 जुलाई को दोपहर में छात्रा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि कथित अपमान, दबाव और वसूली की मांग से आहत होकर छात्रा ने यह कदम उठाया।

विज्ञान पार्क, एकल नागरिक डाटाबेस परियोजना और बॉयो टेक्नॉलाजी पार्क के लिए 123 करोड़ की स्वीकृति

मप्र आईटी, आईटीइएस एंड ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी- 2023 का संशोधन प्रस्ताव स्वीकृत

राज्य डेटा सेंटर का होगा आधुनिकीकरण, आईटी एवं डिजास्टर रिकवरी सहित अन्य कार्यों के लिए 800 करोड़ रुपए की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कैबिनेट ने मप्र आईटी, आईटीइएस एंड ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी- 2023 के संशोधन प्रस्ताव को मंजूरी दी है। नीति की कंडिका 15, 12.6 और 12.11 में नए प्रावधान प्रतिस्थापित किए गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य नीति को निवेश प्रोत्साहन विभाग की मप्र इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी अनुरूप बनाकर ईएसडीएम इकाइयों के लिए अधिक आकर्षक एवं अनुकूल बनाई गई है। इस नीति के तहत निवेशकर्ता एवं प्रदेश को लाभ प्राप्त हो सकेगा। कैबिनेट से मिली स्वीकृति अनुसार यदि कोई पुरानी आईटी या डेटा सेंटर कंपनी अपना काम बढ़ाना चाहती है, तो उसे अपने मौजूदा निवेश में कम से कम 30% और पैसा लगाना होगा, या अपनी जगह का एरिया 30% बढ़ाना होगा।

इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाने वाली (ईएसडीएम) कंपनियों को मशीनों में कम से कम 30% (न्यूनतम 15 करोड़ रुपए) या 50 करोड़ रुपए (जो भी कम हो) का नया निवेश करना होगा और उत्पादन क्षमता 20% बढ़ानी होगी। ऐसा करने पर इन सभी कंपनियों को नई कंपनी की तरह ही सरकारी मदद मिलेगी।

बैठक में मंत्रियों से विचार-विमर्श करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

जमीन मिलने की प्रक्रिया को ऑनलाइन और आसान बनाया

जमीन मिलने की प्रक्रिया को भी पूरी तरह ऑनलाइन और आसान बनाया गया है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे जाएंगे। अगर एक ही जमीन के लिए एक से ज्यादा कंपनियां आवेदन करेंगी, तो ऑनलाइन बोली (ई-बिडिंग) लगाई जाएगी। हालांकि, बहुत बड़े प्रोजेक्ट्स (मेगा प्रोजेक्ट) को इस बोली से छूट मिलेगी और उन्हें 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर सीधे जमीन मिल सकेगी। कंपनियां एमपीआइडीसी या अन्य सरकारी विभागों की जमीन भी ले सकती हैं, लेकिन किराया और बाकी शर्तें उसी विभाग के नियमों के मुताबिक ही तय होंगी।

युवाओं को उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान के अवसर मिलेंगे

उज्जैन स्थित आचार्य वराह मिहिर न्यास परिसर में अत्याधुनिक तारामंडल एवं खगोलीय वेधशाला स्थापित की जा रही है। इसमें एक मीटर ऑप्टिकल टेलीस्कोप एवं 4.5 मीटर रेडियो टेलीस्कोप जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान के अवसर प्राप्त होंगे। विज्ञान पार्क संबंधी योजना खगोल विज्ञान के अध्ययन, अनुसंधान एवं जन-जागरुकता को बढ़ावा देने के साथ समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने तथा अंधविश्वासों के निराकरण में भूमिका निभाएगी। यह उज्जैन को राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख खगोलीय अनुसंधान एवं विज्ञान प्रसार केंद्र के रूप में स्थापित करेगी।

विज्ञान पार्क: एकल नागरिक डाटाबेस परियोजना के लिए 123 करोड़ की मंजूरी

कैबिनेट ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत विज्ञान पार्क, एकल नागरिक डाटाबेस परियोजना और बॉयो टेक्नालॉजी पार्क की स्थापना एवं आगामी 5 वर्षों 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 की अवधि के लिए संचालन की निरंतरता के लिए 123 करोड़ की स्वीकृति दी है। इस अनुसार विज्ञान पार्क की स्थापना संबंधी योजना के लिए 39 करोड़ 39 लाख रुपए, एकल नागरिकता डाटाबेस के लिए 75 करोड़ और बॉयो टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना और संचालन संबंधी योजनाओं के लिए 8 करोड़ 59 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है।

डीबीटी प्रक्रियाओं का प्रभावी क्रियान्वयन

एससीडी परियोजना के साथ-साथ परिचय परियोजना के माध्यम से आधार आधारित ऑथेंटिकेशन एवं ई-केवाईसी सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे डीबीटी प्रक्रियाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो रहा है। दोनों परियोजनाएं डेटा समेकन, आधार प्रमाणीकरण एवं विभागीय डेटा साझाकरण के माध्यम से राज्य की ई-गवर्नेंस व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही हैं। भविष्य की डिजिटल गवर्नेंस प्रणाली एवं विजन<\@>2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मप्र बॉयो टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना तथा संचालन से संबंधित योजना का उद्देश्य प्रदेश में बॉयो टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अनुसंधान, विकास, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना है। भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की नेशनल बॉयो टेक्नोलॉजी पार्क स्कीम के अंतर्गत संचालित इस योजना के तहत स्टार्ट-अप, नवोन्मेषकों तथा सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यमियों को इन्क्यूबेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

7 महीने बाद जन नायकन की रिलीज डेट पर लगी मुहर...

नई दिल्ली। सी. जोसेफ विजय उर्फ थलापति विजय अब तमिलनाडु के सीएम बन चुके हैं। राजनीति में आने से पहले ही अभिनेता ने खुलासा कर दिया था कि वह अभिनय छोड़ रहे हैं और उनकी आखिरी फिल्म जन नायकन है। चुनाव से पहले ही जन नायकन रिलीज होने वाली थी। मगर अटक गई। अब करीब 7 महीने बाद अभिनेता की आखिरी फिल्म बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। इसे सेंसर बोर्ड से कुछ दिन पहले ही हरी झंडी मिली थी। कनाडा में इसे यॉर्क सिनेमा के द्वारा रिलीज की जाएगी। 24 जुलाई से पर्दे पर धमाल मचेगा। थिएटर में जबरदस्त जश्न के लिए तैयार हो जाइए।

लाइफ Style

प्रियामणि

गोलमाल 5 में निभाएंगी विलेन का किरदार

रोहित शेट्टी 'गोलमाल 5' के साथ इस लोकप्रिय फ्रेंचाइजी में फिर से वापसी कर रहे हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बार फिल्म में अक्षय कुमार की भी एंट्री हुई है। वहीं, शरमन जोशी की वापसी हुई है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मेकर्स दर्शकों को कास्टिंग से जुड़े एक चौंकाने वाले ट्विस्ट से हैरान करने के लिए तैयार हैं। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में द फैमिली मैन और शाहरुख खान की जवान फेम एक्ट्रेस प्रियामणि की भी एंट्री हुई है। प्रियामणि फिल्म में एक नेगेटिव रोल में नजर आएंगी, जो उनके पिछले किरदारों से बिल्कुल अलग होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रियामणि 'गोलमाल 5' में एक नेगेटिव किरदार निभाएंगी। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद है कि इस कास्टिंग से कॉमेडी फ्रैंचाइजी में कुछ नयापन आएगा। अपनी अलग-अलग तरह की भूमिकाओं के लिए मशहूर, नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली इस एक्ट्रेस ने ज्यादातर इमोशनल और दमदार किरदार निभाए हैं। फिल्म की मुख्य विलेन के तौर पर उनका यह नया रूप रोहित शेट्टी की कॉमेडी और मस्ती-मजाक वाली फिल्मों में एक नया रंग जोड़ सकता है। रोहित शेट्टी के साथ प्रियामणि का यह पहला काम नहीं है। इससे पहले वह शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस के जबरदस्त डांस नंबर '1 2 3 4 गेट ऑन द डांस फ्लोर' में नजर आ चुकी हैं।

हॉलीवुड मसाला

इट्स ए... गाने से मिली थी शोहरत

लॉस एंजिल्स। टोटल एक्लिप्स ऑफ द हार्ट जैसे चर्चित गाने की सिंगर बॉनी टायलर का निधन हो गया है। 75 साल की उम्र में इस हॉलीवुड सिंगर ने दुनिया को अलविदा कह दिया। टल एक्लिप्स ऑफ द हार्ट और होल्डिंग आउट फॉर ए हीरो जैसे कई हिट सॉन्ग गाने वाली बॉनी टायलर की आज भी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। 8 जून, 1951 को वेल्स में जन्मीं बॉनी टायलर का असल नाम गेनर हॉपकिंस था। वह अपनी जादुई आवाज के लिए जानी जाती थीं। उनके गाने म्यूजिक चार्ट्स में टॉप पर बने रहते थे। 1977 में इट्स ए हार्टएक गाने से बॉनी को खूब शोहरत मिली।

एमी अवॉर्ड्स : द पिट को सबसे अधिक 25 नॉमिनेशन

लॉस एंजिल्स। एमी अवॉर्ड्स को टीवी की दुनिया में सबसे सम्मानित पुरस्कार माना जाता है। साल 2026 के लिए एमी अवॉर्ड के लिए नामांकनों का ऐलान हो चुका है। इस सूची में सबसे ज्यादा श्रेणियों में नॉमिनेशन के साथ मेडिकल ड्रामा सीरीज 'द पिट' सबसे आगे है। 'द पिट' को कुल 25 नामांकन हासिल हुए हैं। इसके अलावा प्रियंका चोपड़ा की 'हेड्स ऑफ स्टेट' ने भी जगह बना ली है। वहीं, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की लिस्ट में जेंडाया का नाम है। इसके अलावा और किस-किसको नॉमिनेशन में जगह मिली है? बीते दिन बुधवार को अभिनेत्री लिजा कोलोन-जायस और अभिनेता जेफ हिलर ने 2026 प्राइमटाइम एमी अवॉर्ड्स के नॉमिनेशन की घोषणा की। इस लिस्ट में 'द बियर', 'हैक्स', 'द पिट' और 'स्लो हॉर्सेस' जैसे बड़े कॉमेडी, ड्रामा और एंथोलॉजी शो शामिल हैं।

रहमान ने की सोनू की तारीफ...

मुंबई। मशहूर संगीतकार एआर रहमान ने अपनी आने वाली फिल्म बंटवारा 1947 के एक गाने के लिए सिंगर सोनू निगम के साथ काम किया है। रहमान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी खुशी जाहिर की है। फिल्म बंटवारा 1947 के गाने 'ओह तबस्सुम' को सोनू निगम ने गाया है। एआर रहमान ने एक्स हैंडल पर सोनू की जमकर तारीफ की है। रहमान ने सोनू से पूछा, 'भाई, गाते समय अपनी आवाज में इतना रोमांस कैसे ले आते हों।' 'बंटवारा 1947' असगर वजाहत के मशहूर नाटक 'जिस लाहौर नई देख्या, ओ जम्याई नई' पर आधारित है। कहानी देश के बंटवारे के समय एक हिंदू परिवार की है, जिसे लाहौर आना पड़ता है। वहां उन्हें एक हवेली मिलती है, जहां पहले से ही एक बुजुर्ग मुस्लिम महिला रह रही होती हैं। यह फिल्म राजनीति के बजाय मानवीय रिश्तों और दर्द को दिखाती है।

'भाई तेरा स्टार है' का ट्रेलर रिलीज...

मुंबई। 'भाई तेरा स्टार है' का मजेदार ट्रेलर गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। फिल्म के ट्रेलर में राघव लंदन में रहने वाले एक ऐसे एक्टर के रोल में हैं, जो काम पाने के लिए संघर्ष कर रहा है। फिल्म की ताकत राघव जुयाल का स्वाभाविक मजाकिया अंदाज और उनकी दमदार कॉमिक टाइमिंग है। ट्रेलर के कई सींस काफी मजेदार हैं, जिनमें राघव की एनर्जी देखने लायक है। राघव ने कई लोगों से उधार ले रखा है। जब लोग अपने पैसे मांगते हैं, तो वह अपनी एक्टिंग के दम पर झूठी कहानियां बनाता है और बचने के तरीके ढूंढता है। कर्जों से निपटने का उनका यह अंदाज बेहद मजेदार है। फिल्म में राघव को कर्ज देने वाले एक व्यक्ति का किरदार मशहूर अभिनेता संजय कपूर निभा रहे हैं। कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टीवी मसाला

'सेहर होने को है' 7 साल के लीप के साथ, भविका बनीं सेहर

मुंबई। महेर फीवर अब एक नए शिखर पर पहुंचने वाला है, क्योंकि कलर्स का ड्रामा 'सेहर होने को है' सात साल का लीप लेकर आ गया है, जिसमें भविका शर्मा टाइटल रोल निभा रही हैं। जुदाई के इस लंबे दौर ने इन स्टार-क्रॉस्ड लवर्स (महिद और सेहर, पार्थ समथान और भविका द्वारा निभाए गए किरदार) की किस्मतें बदल दी हैं। दोनों अब बिल्कुल अलग इंसान बन चुके हैं, जिन्हें एक अनसुलझी त्रासदी ने बांध रखा है। सेहर ने अपने बचपन के सपने पूरे कर लिए हैं। उसने एमबीबीएस डिस्टिंक्शन के साथ पूरा किया है और अब वह डॉ. सेहर कौसर बैग है एक शानदार न्यूरोलॉजी रेजिडेंट। उसके लिए मेडिसिन उसकी मां कौसर से किया गया एक पवित्र वादा है। लेकिन, आत्मविश्वास के पीछे उसका टूटा हुआ दिल छिपा है। वह महिद से नफरत करती है और अपनी मां की मौत के लिए उसे जिम्मेदार मानती है। इस बीच, महिद एक सम्मानित मुफ़्ती के पद पर पहुंच चुका है। उसकी सधी हुई शख्सियत के पीछे एक ऐसा मन छिपा है जो गहरे ट्रॉमा से टूट रहा है। वह खुद को अपनी मां और कौसर दोनों की रक्षा न कर पाने के लिए दोषी मानता है। यह जानकर कि सेहर अपनी मां की मौत के लिए उसे जिम्मेदार ठहराती है, उसे हर दिन सताता है। यही अपराधबोध उसे कठोर आत्म-दंड की ओर धकेलता है। इस बर्बादी को परछाइयों से देख रही है हुस्ना, जो अपनी रची हुई चालाकियों की जीत का जश्न मना रही है। लेकिन किस्मत सेहर को फिर से नियाज़ी मंज़िल में खींच लाती है, जहां उसे उस इंसान का सामना करना पड़ता है जिससे वह सात साल से दूर भाग रही थी।

'आज दुनिया खामोश हो गई'

मुंबई। मशहूर टीवी होस्ट और बॉलीवुड एक्टर मनीष पॉल की मां उर्मिल पॉल का 77 साल की उम्र में दिल्ली में निधन हो गया। मनीष ने मां के निधन के बाद सोशल मीडिया पर एक बेहद ही इमोशनल पोस्ट साझा किया है। इसके साथ ही अभिनेता ने अपने प्रशंसकों से अपनी मां की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने की अपील की है। मां के जाने से दुखी मनीष पॉल ने इंस्टाग्राम पर एक बेहद इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। मनीष ने इंस्टाग्रम पर अपनी मां के साथ कई तस्वीरें साझा की हैं। इसके साथ ही मनीष ने कैप्शन में लिखा, 'आज दुनिया कुछ ज्यादा खामोश है'। मनीष ने अपनी मां को याद करते हुए लिखा कि आज उन्होंने अपनी मां को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया है। उन्होंने अपनी मां को अपना पहला घर, सबसे बड़ा सहारा और दुनिया की सबसे मजबूत महिला बताया। मनीष ने आगे लिखा, 'शब्द कभी यह नहीं बता सकते कि मेरी मां मेरे लिए क्या थीं और उनके जाने से जिंदगी में कितना बड़ा खालीपन आ गया है।

21 साल पहले भारत में बैन हो गई थी ये फिल्म, अक्षय थे इसका हिस्सा...

नई दिल्ली। इन दिनों दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' को ओटीटी से हटाए जाने पर बवाल मचा हुआ। हालांकि, इससे पहले भी कई फिल्मों को भारत में बैन करना पड़ गया है, जिनमें से एक 21 साल पुरानी विवादित फिल्म भी शामिल है। 2005 में रिलीज हुई इस फिल्म ने दुनियाभर में सुर्खियां बटोरीं। एकेडमी अवॉर्ड्स यानी ऑस्कर में भी गई। मगर भारत में फिल्म की रिलीज पर घमासान मचा रहा। भारत में फिल्म आई भी लेकिन इसे हटा दिया गया और फिर बैन कर दिया गया।

खूब बवाल मचा था बवाल : जिस फिल्म की हम बात कर रहे हैं, वो है दीपा मेहता की ट्रिलॉजी की तीसरी कड़ी वॉटर मूवी की। फिल्म में जॉन अब्राहम, लीजा रे, सीमा बिस्वास, सरला और मनोरमा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म इंडियन-कैनेडियन फिल्ममेकर दीपा मेहता ने बनाया। जब यह फिल्म बन रही थी, तब इस पर खूब बवाल मचा था। आलम यह था कि फिल्म का सेट भी जला दिया गया था।

फिल्म को लेकर भड़के थे लोग : फिल्म की शूटिंग वाराणसी में की जानी थी, लेकिन फायर मूवी (दो लेस्बियन पर आधारित) को लेकर पहले से ही विवादों में घिरीं दीपा मेहता की अगली फिल्म वॉटर की शूटिंग का पता चला तो कुछ लोग प्रदर्शन करने लगे। इस फिल्म को एंटी-हिंदू बताया गया और सेट जला दिया गया। इस बवाल के चलते फिल्म की शूटिंग को रोक दिया गया। उस वक्त अक्षय इसकी शूटिंग करने वाले थे।

अक्षय बनने वाले थे लीड हीरो : एक बातचीत में दीपा ने रिवील किया था कि वॉटर फिल्म की असली स्टार कास्ट पहले अक्षय कुमार, शबाना आजमी और नंदिता थे। मगर बवाल मचने के बाद फिल्म 3-4 साल बाद रुकी रही। फिर नई कास्ट के साथ फिल्म को श्रीलंका में शूट किया गया। यह फिल्म भारत में तो बैन रही, लेकिन विदेश में इसे सराहा गया।

क्या है फिल्म की कहानी?

1938 में सेट फिल्म की कहानी विधवा महिलाओं की दुर्गति को दिखाता है। कहानी 'चुइया' नाम की 8 साल की लड़की के बारे में है जो विधवा हो जाती है और उसे प्रायश्चित करने के लिए एक आश्रम में भेज दिया जाता है। उससे उम्मीद की जाती है कि वह अपनी बाकी जिंदगी सादगी और प्रार्थना में बिताएगी।

आज सिनेमाघरों में रिलीज होंगी तीन फिल्में, दो अंग्रेजी फिल्में हिंदी वर्जन में

नई दिल्ली। शुक्रवार को हिंदी के दर्शकों को सिनेमाघरों में तीन नई फिल्मों का तोहफा मिलने वाला है। हफ्ते की सबसे बड़ी रिलीज 'धमाल 4' है, जो फ्रैंचाइजी की चौथी फिल्म है। इसी के साथ दो अंग्रेजी फिल्में भी हिंदी डब वर्जन में बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली हैं। शुक्रवार को ही हॉरर फिल्म 'ईविल डेड बर्न' भी रिलीज हो रही है, जो 'ईविल डेड फ्रैंचाइजी' की छठी मूवी है। दूसरी ओर, ड्वेन जॉनसन और कैथरीन लागाइया की 'मोआना' रिलीज हो रही है, जो डिज्नी के पॉपुलर एनिमेशन फ्रैंचाइजी की पहली लाइव-एक्शन फिल्म है।

धमाल 4 : हिंदी के दर्शकों के लिए इस हफ्ते की सबसे बड़ी रिलीज धमाल4 है, जिसे इंद्र कुमार ने डायरेक्ट किया है। यह 'धमाल फ्रैंचाइजी' की चौथी एडवेंचर-कॉमेडी फिल्म है। टी-सीरीज फिल्म्स, पैनोरमा स्टूडियोज, और देवगन फिल्म्स के साथ मारुति इंटरनेशनल ने इसे प्रोड्यूस किया है। फ्रैंचाइजी की पिछली तीन फिल्में धमाल (2007), डबल धमाल (2011) और टोटल धमाल (2019) बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थीं। अब इस चौथी फिल्म से भी

यही उम्मीदें हैं। धमाल 4 में अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद, संजीदा शेख, ईशा गुप्ता और विजय पाटकर हैं।

मोआना : मोआना एक अमेरिकी म्यूजिकल एडवेंचर फिल्म है, जो डिज्नी एनिमेशन की 2016 की इसी नाम की फिल्म का लाइव-एक्शन वर्जन है। मतलब कि पिछली फिल्म जहां एनिमेशन थी, इस बार इसमें एक्टर-एक्ट्रेसेस पॉपुलर किरदार निभाते नजर आएंगे। 'मोआना फ्रैंचाइजी' की इस तीसरी और पहली लाइव-एक्शन फिल्म को थॉमस काइल ने डायरेक्ट किया है। कहानी जेरेड बुश और डाना लेडौक्स मिलर ने लिखी है। इसमें ड्वेन जॉनसन के साथ कैथरीन लागाइया लीड रोल में हैं। यह कैथरीन की डेब्यू फिल्म है। कहानी के केंद्र में मोआना है, जो मोटुनुई द्वीप की एक बहादुर युवा लड़की है और जो समुद्र की पुकार सुन सकती है। वह डेमीगॉड माउई को खोजने के लिए अपना कबीला, अपना घर छोड़ती है। मोआना भी शुक्रवार 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। आप इसे हिंदी डब वर्जन में भी देख सकते हैं।

ईविल डेड बर्न : ईविल डेड बर्न एक अमेरिकी सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म है। इसे सेबेस्टियन वानिचेक और फ्लोरेंट बर्नार्ड ने डायरेक्ट किया है। इन्हीं दोनों ने फिल्म की कहानी भी लिखी है। यह 'ईविल डेड' (2013) और 'ईविल डेड राइज' (2023) की एक स्टैंडअलोन सीक्वल है। इसमें सुहेला याकूब, टैंडी राइट, हंटर डूहान, लुसियाने बुकानन, एरॉल शैंड और मौड डेवी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'ईविल डेड बर्न' वैसे तो मूल रूप से अंग्रेजी फिल्म है, लेकिन 10 जुलाई को यह सिनेमाघरों में हिंदी डब वर्जन में भी रिलीज हो रही है।

इक्का से बाल्टी तक, रिलीज की कतार में ये फिल्में और सीरीज

इस वीकएंड ओटीटी पर होगी एंटरटेनमेंट की झमाझम बरसात

नई दिल्ली। बरसात वाला मौसम आ गया है। बारिश भी आ गई है। इस झमाझम बारिश के बीच वीकएंड ने भी दस्तक दे दी है। एक तरफ सिनेमाघरों में कई फिल्में सजी हुई हैं। मगर, मौसम का मिजाज देखकर अगर घर बैठे ही ओटीटी पर कुछ देखना है, तो उसके लिए भी बढ़िया इंतजाम है।

इक्का

सनी देओल और अक्षय खन्ना अभिनीत यह इस सप्ताह रिलीज होने वाली सबसे चर्चित फिल्म है। इसके जरिए सनी देओल ओटीटी डेब्यू कर रहे हैं। सिद्धार्थ पी मल्होत्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'इक्का' में सनी देओल वकील की भूमिका में हैं। दीया मिर्जा का भी अहम रोल है। सनी देओल का वह अंदाज देखने को मिल सकता है, जो फिल्म 'दामिनी' में मिला था। फिल्म 'इक्का' 10 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

पेद्दी

राम चरण और जान्हवी कपूर की अदाकारी से सजी साउथ की फिल्म ने सिनेमाघरों में खूब धूम मचाया है। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। इसमें एक ऐसे खिलाड़ी की कहानी दिखाई गई है जो कई खेल में माहिर है। वह अपने गांव का नाम रौशन करना चाहता है, मगर राजनीति उसके आड़े आती है। यह फिल्म 9 जुलाई गुरुवार से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है।

पति पत्नी और वो दो

आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह अभिनीत यह फिल्म सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने को तैयार है। थिएटर्स में इसे दर्शकों से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली थी। आयुष्मान खुराना ने इसमें ऐसे शख्स का किरदार निभाया है, जो शादीशुदा है। उसकी मुश्किलें तब बढ़ जाती हैं, जब वह दूसरी लड़कियों से मिलता है। यह फिल्म 10 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

बाल्टी

अगर स्पोर्ट्स ड्राम फिल्मों में आपकी दिलचस्पी है तो इसे देखें। फिल्म 'बाल्टी' चार कबड्डी के खिलाड़ियों पर आधारित है। उन्हें एक गैंग परेशान करता है। यह फिल्म मलयालम भाषा में रिलीज हुई थी। इसे हिंदी में भी डब किया गया है। इसे 10 जुलाई से सोनी लिव पर देखा जा सकता है।

परिमाला एंड कंपनी

तमिल भाषा की फिल्म 'परिमाला एंड कंपनी' एक डार्क कॉमेडी थ्रिलर है। इसमें सस्पेंस, फैमिली ड्रामा और ह्यूमर है। इसे पंडिराज ने डायरेक्ट किया है। इसमें जयराम, संजना कृष्णमूर्ति और अनंथिका सनिलकुमार हैं। यह फिल्म 10 जुलाई से जी 5 पर स्ट्रीम होगी।

आई एम नॉट अफरेड

मिस्ट्री ड्रामा वेब सीरीज 'आई एम नॉट अफरेड' में एक ऐसे लड़के की कहानी दिखाई गई है, जिसे अपने घर के पास एक लड़का जमीन के नीचे बंद मिलता है। वह उस लड़के की मदद करता है। हालांकि उसका परिवार उसके खिलाफ रहता है। यह सीरीज 10 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।